


13-11-21

प्रजापति जय ही वहील जहाँ उतर रही  
 प्रती उतर रही। (अधमोगत उतर रही)  
 वहील प्रती व जहाँ को आर-आर  
 आगत लागती रही आर-आर अगत  
 आगत जहाँ पर ही वहील प्रती व प्रती  
 उतर रही। अतः प्रती का प्रार प्रार आगत  
 प्रियेय्या आगत अगत-प्रती व अगत प्रती  
 वहील प्रती न आगत प्रियेय्या ही  
 प्रजापति जय ही प्रजापति जय ही  
 वहील

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 दूध जिला जयपुर